आर.एन.आई. नं.- MPHIN/2015/66655

साप्ताहिक समाचार पत्र

त्रिकाल दृष्टि

सच का दर्पण

वर्ष-2 अंक-28, भोपाल, सोमवार, 07 अगस्त से 13 अगस्त 2017 पृष्ठ- 8 मूल्य : 3.00 रूपये www.trikaldrishti.com

संक्षिप्त समाचार

नवंबर में भारत आएंगी इवांका ट्रंप, PM मोदी ने दिया था न्योता

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बेटी इवांका ट्रंप नवंबर में भार दौरे पर आएंगी. भारत और अमेरिका का हैदराबाद में 28 नवंबर से ग्लोबल एंटरप्रेन्योरिशिप समिट (जीईएस) होगा. इस समिट में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बेटी इवांका ट्रंप करेंगी. ये समिट हैदराबाद में 28 से 30 नवंबर तक चलेगी. डोनाल्ड ट्रंप ने ट्वीट किया, इवंका ट्रंप भारत में अमेरिका के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगी. जो विश्व स्तर पर महिलाओं की उद्यमशीलता का समर्थन करेंगा. वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया, इस तीन दिवसीय समिट का उद्देश्य दोनों देशों के उद्यमियों को एकसाथ लाना है. उन्होंने कहा कि यह समिट उद्यमियों को एकसाथ लाने का अद्वितीय अवसर है. साथ ही उन्होंने कहा कि वह अमेरिकी प्रतिनिधमंडल के नेता के रूप में जीईएस 2017 हैदराबाद में इवांका ट्रंप की उपस्थिति को लेकर आशान्वित हैं. बता दें कि यह समिट नीति आयोग द्वारा विदेश मंत्रालय के समन्वय से आयोजित किया जा रहा है. राज्य विभाग की वेबसाइट के अनुसार इससे पहले अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा इस समिट की मेजबानी की गई थी. तीन दिवसीय समिट का उद्देश्य, अमेरिकी उद्यमियों और निवेशकों को अपने अंतरराष्ट्रीय समकक्षों से जोड़ना है.

नॉर्थ कोरिया को दी गई चेतावनी शायद उतनी कड़ी नहीं रही: ट्रंप

बेडमिंस्टर। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि नॉर्थ कोरिया पर कड़ी कार्रवाई करने की उनकी चेतावनी शायद 'पर्याप्त रूप से कड़ी नहीं रही.' उपराष्ट्रपति माइक पेंस के साथ बोलते हुए ट्रंप ने कहा कि चीन प्योंगयांग के परमाणु हथियार कार्यक्रम को खत्म करने के लिए उस पर दबाव बनाने के लिए 'बहुत कुछ'कर सकता है. अंजाम भुगतने की चेतावनी को नॉर्थ कोरिया ने 'बकवास' बताया जिसके बाद ट्रंप ने कहा कि शायद यह पर्याप्त रूप से कड़ी चेतावनी नहीं रही. ट्रंप ने इससे पहले दी थी ये चेतावनी: राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने परमाणु हथियार संपन्न उत्तर कोरिया को लेकर अपना रुख और कड़ा करते हुए चेतावनी दी कि अगर वह अमेरिका को धमकाना जारी रखता है तो उसे ऐसे विध्वंस का सामना करना होगा जो दुनिया ने कभी नहीं देखा होगा. ट्रम्प की यह कड़ी चेतावनी 'द वॉशिंगटन पोस्ट' अखबार को अमेरिका खुफिया सेवाओं के हवाले से दी गयी खबर के बाद आयी जिसमें कहा गया कि उत्तर कोरिया की किम जोंग-उन सरकार ने एक परमाणु हथियार का निर्माण किया है जो इतना छोटा है कि उसकी मिसाइलों में लगाया जा सकता है. ट्रम्प ने न्यूजर्सी में अपने गोल्फ क्लब में आयोजित एक बैठक की शुरूआत के दौरान कहा, "उत्तर कोरिया के लिए बहुत अच्छा होगा कि अमेरिका को और धमकियां ना दे. वरना उन्हें ऐसे विध्वंस का सामना करना होगा जो दुनिया ने कभी नहीं देखा होगा."

अंसारी को बोले पीएम-आप अब अपनी सोच के मुताबिक बात कहने के लिए आजाद हैं

नई दिल्ली। राज्यसभा में गुरुवार को उप-राष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति के रूप में हामिद अंसारी को विदाई दी गई। इस दौरान सभी दलों के नेताओं ने अपने अपने विचार रखे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दौरान बोलते हुए कहा, हो सकता है आपके मन में भी बेचैनी की भावना हो, लेकिन अब आपको इसका सामना नहीं करना पड़ेगा। अब आप स्वतंत्र हैं और अपनी पंसद का काम कर सकते हैं, सोच सकते हैं और अपने विश्वास के मुताबिक बोल सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह बयान हामिद अंसारी की उस टिप्पणी पर आया जिसमें अंसारी ने कहा था कि देश के मुस्लिमों में बेचैनी का अहसास और असुरक्षा की भावना है।

उपराष्ट्रपति पद के लिए वेंकैया नायडू ने ली शपथ

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति पद के लिए वेंकैया नायडू आज 10 बजे शपथ लेंगे. वह सवेरे सबसे पहले राजघाट पहुंचे और महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की. फिर दीनदयाल उपाध्याय मार्ग पर दीनदयाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे. इसके बाद पटेल चौक पर सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे. इसके बाद शपथ ग्रहण के लिए राष्ट्रपति भवन पहुंचेंगे. इसके बाद वह संसद भवन आएंगे और संसदीय कार्यमंत्री और राज्यमंत्री उनका स्वागत करेंगे. वेंकैया नायडू यहां पर भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे.11 बजे वह सदन में प्रवेश कर जाएंगे.

हामिद अंसारी के बयान का ये दिया जवाब: वहीं हामिद अंसारी ने अपने कार्यकाल के आखिरी दिन मुस्लिमों की बेचैनी की बात की थी. इसके जवाब में उप-राष्ट्रपति पद की शपथ लेने वाले वेंकैया नायडू ने बिना नाम लिए अंसारी के बयान पर निशाना साधा. उन्होंने देश में अल्पसंख्यकों के बीच असुरक्षा की भावना होने की बात को महज 'राजनीतिक प्रचार' बताकर खारिज कर दिया. वेंकैया नायडू ने यद्यपि किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन उनकी टिप्पणी को पूर्व उप-राष्ट्रपति अंसारी के एक टीवी साक्षात्कार की प्रतिक्रिया के तौर पर देखा जा रहा है जिसमें उन्होंने कहा था कि देश के मुसलमानों में असहजता और असुरक्षा की भावना है, और 'स्वीकार्यता का माहौल' खतरे में है. नायडू ने कहा, 'कुछ लोग कह रहे हैं कि अल्पसंख्यक असुरक्षित हैं. यह एक राजनीतिक प्रचार है. पूरी दुनिया के मुकाबले अल्पसंख्यक भारत में ज्यादा सकुशल और सुरक्षित हैं और उन्हें उनका हक मिलता है.' उन्होंने इस बात से भी इत्तेफाक नहीं जताया कि देश में असहिष्णुता बढ़ रही है और कहा कि भारतीय समाज अपने लोगों और सभ्यता की वजह से दुनिया में सबसे सहिष्णु है. उन्होंने कहा कि यहां सहिष्णुता है और यही वजह है कि लोकतंत्र यहां इतना सफल है. गोपालकृष्ण गांधी को 272 वोटों से हराया : वेंकैया नायडू ने विपक्ष के उम्मीदवर गोपालकृष्ण गांधी को 272 वोटों से हराया. वेंकैया नायडू को 516 वोट मिले जबकि गोपालकृष्ण गांधी को 244 मत मिले. विजय गोयल, सांवरलाल जाट, अनु आगा, एनके सारनिया, अब्दुल वहाब, पीके कुन्हालीकुट्टी, कुणाल कुमार घोष, तापस पॉल, प्रोतिमा मंडल, अभिषेक बनर्जी, मौसम नूर, रानी नारा उदयनराजे भोसले , अंबुमनि रामदौस वोटिंग में हिस्सा नहीं ले पाए.

बक्सर DM ने सुसाइड नोट में लिखा- पत्नी और मां-बाप के झगड़े से परेशान हूं, इसलिए कर रहा हूं खुदकुशी

गाजियाबाद। बिहार के बक्सर जिले के डीएम मुकेश पांडे ने गुरुवार रात यूपी के गाजियाबाद में ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली. लीला पैलेस होटल से मिले सुसाइड नोट में उन्होंने लिखा कि, मैं अपनी पत्नी और अपने मां-बाप के बीच हो रहे झगड़े से बेहद परेशान हूं, इस वजह से यह कदम उठा रहा हूं. गुरुवार को मुकेश के ससुर ने सरोजिनी नगर पुलिस स्टेशन में उनके लापता होने की रिपोर्ट भी दर्ज कराई थी. गुरुवार को पहुंचे थे दिल्ली : बिहार के बक्सर जिले के डीएम मुकेश पांडे बुधवार देर रात बक्सर से दिल्ली के लिए निकले थे. सूत्रों की मानें तो दिल्ली आने के पीछे उन्होंने वजह बताई थी कि उनके मामा को हार्ट अटैक आया है. दिल्ली पहुंचने के लगभग 14 घंटे बाद मुकेश पांडे ने ट्रेन के आगे कूदकर खुदकुशी कर ली. सुसाइड नोट में मिले चार फोन नंबर : मुकेश के पास से एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें उन्होंने अपनी मर्जी से खुदकुशी करने की बात लिखी है. पुलिस सूत्रों की मानें तो सुसाइड नोट में चार फोन नंबर भी लिखे हुए हैं. यह सभी नंबर परिवार वालों के हैं. सुसाइड नोट में एक जगह लिखा है कि विस्तृत सुसाइड नोट बैग में है. बैग में रखा है सुसाइड नोट : उन्होंने लिखा, वह बैग दिल्ली के लीला पैलेस होटल के कमरा नंबर-742 में है. मेरे बैग में एक और सुसाइड नोट है, जिसमें पूरी जानकारी है. लीला होटल से मिले सुसाइड नोट में लिखा है कि मैं अपनी पत्नी और अपने मां-बाप के बीच हो रहे झगड़े से बेहद परेशान हूं, इस वजह से यह कदम उठा रहा हूं बताते चलें कि मुकेश की 3 महीने की एक बच्ची है. परिजनों को दी खुदकुशी की जानकारी : पुलिस के मुताबिक, सबसे पहले वो शाम 6 बजे दिल्ली के जनकपुरी स्थित डिस्ट्रिक्ट सेंटर खुदकुशी करने पहुंचे. यहां पर उन्होंने परिजनों को व्हाट्सएप करके खुदकुशी करने की जानकारी दी. इसके बाद आनन-फानन में पुलिस वहां पहुंची तो मुकेश पांडे अपना फोन होटल में छोड़कर गायब हो गए. हाल में नियुक्त किए गए थे बक्सर के डीएम : पुलिस वहां पहुंची लेकिन मुकेश का कुछ पता नहीं चला. रात करीब साढ़े आठ बजे गाजियाबाद में रेलवे ट्रैक पर उनका शव बरामद हुआ. बताते चलें कि बीते 4 अगस्त को ही उन्हें बक्सर का डीएम नियुक्त किया गया था. बक्सर से पहले मुकेश बेगूसराय के बलिया अनुमंडल में एसडीएम व कटिहार में डीडीसी के पद पर सेवा दे चुके थे. UPSC परीक्षा 2012 में 14वीं रैंक लाने वाले मुकेश पांडे को साल 2015 में संयुक्त सचिव रैंक में प्रमोशन मिला था. फिलहाल पुलिस मामले की बारीकी से जांच कर रही है.

सोनिया गांधी के नेतृत्व में 18 विपक्षी दलों की दिल्ली में बैठक आज

नई दिल्ली। गुजरात राज्यसभा चुनाव में मुश्किल लड़ाई जीतने के बाद कांग्रेस ने विपक्ष को एकजुट करने का प्रयास फिर से शुरू कर दिया है। इस सिलसिले में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के नेतृत्व में 18 विपक्षी दलों की बैठक शुक्रवार को नई दिल्ली में बुलाई गई है। सूत्रों ने बताया कि विपक्षी नेताओं की बैठक संसद के पुस्तकालय में होगी। इस दौरान उन मुद्दों पर चर्चा होगी, जिनके सहारे केंद्र सरकार को घेरा जा सकता है। संसद का मानसून सत्र खत्म होने के बाद केंद्र के खिलाफ क्या रणनीति हो, इस मुद्दे पर भी चर्चा की जाएगी। शरद यादव को भी विपक्षी नेता के तौर पर बैठक के लिए न्योता भेजा गया है। माना जा रहा है कि नीतीश कुमार के खेमा बदलने से एकजुटता के प्रयासों को लगे बड़े झटके के मद्देनजर सोनिया गांधी के साथ अब ममता बनर्जी भी इस दिशा में सक्रियता दिखाएंगी।

अयोध्या केस: सुप्रीम कोर्ट की 3 जजों की बेंच आज से करेगी सुनवाई

नई दिल्ली। अयोध्या राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद पर शुक्रवार से सुप्रीम कोर्ट में रोजाना सुनवाई शुरू होगी. इस सुनवाई से ठीक पहले शिया वक्फ बोर्ड ने अदालत में अर्जी लगाकर मामले में नया पेंच डाल दिया है. शिया बोर्ड ने विवाद में पक्षकार होने का दावा किया है. शिया वक्फ बोर्ड ने 70 साल बाद 30 मार्च 1946 के ट्रायल कोर्ट के फैसले को चुनौती दी है, जिसमें मस्जिद को सुन्नी वक्फ बोर्ड की प्रॉपर्टी करार दिया गया था. तीन जजों की बेंच करेगी मामले की सुनवाई : सुप्रीम कोर्ट ने न्यायमूर्ति दीपक मिश्रा की अध्यक्षता में तीन न्यायाधीशों की पीठ गठित की है. यह अयोध्या भूमि विवाद में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसलों को चुनौती देने वाली याचिकाओं और विवादित भूमि के मालिकाना हक पर फैसला सुनाने के लिए सुनवाई करेगी.

शिया वक्फ बोर्ड ने दाखिल किया हलफनामा : अपनी अर्जी में शिया वक्फ बोर्ड ने माना है कि मीर बकी ने राम मंदिर को तोड़कर बाबरी मस्जिद का निर्माण किया था. पहली बार किसी मुस्लिम संगठन ने आधिकारिक तौर पर माना कि विवादित स्थल पर राम मंदिर था. गौरतलब है कि मंगलवार को शिया वक्फ बोर्ड ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल किया था. शिया बोर्ड का सुझाव है कि विवादित जगह पर राम मंदिर बनाया जाना चाहिए. इस मामले में रामजन्म भूमि मंदिर ट्रस्ट और सुन्नी वक्फ बोर्ड पक्षकार हैं, क्योंकि विवादित स्थल पर अधिकार को लेकर शिया बोर्ड 1946 में सुन्नी बोर्ड से केस हार चुका है. राम जन्मभूमि से दूर बने मस्जिद : हलफनामे में कहा गया है कि अयोध्या में भगवान राम के जन्मस्थल से एक उचित दूरी पर मुस्लिम बहुल इलाके में मस्जिद बनाई जा सकती है. शिया वक्फ बोर्ड ने हलफनामे में कहा कि दोनों धर्मस्थलों के बीच की निकटता से बचा जाना चाहिए, क्योंकि दोनों ही के द्वारा लाउडस्पीकरों का इस्तेमाल एक-दूसरे के धार्मिक कार्यों में बाधा की वजह बन सकता है.

मिसाल: जहां कचरा फेंकते थे वहां उद्योगपतियों ने बना डाला तालाब

उज्जैन। उज्जैन का नाम अब उद्योग सरोवर सिटी के रूप में भी पहचाना जाएगा। यहां के उद्योगपतियों ने जनभागीदारी से इंडस्ट्रियल ग्रीन बेल्ट की जमीन पर तीन तालाबों का निर्माण कर इसका शंखनाद किया है। तीनों तालाब अब तक हुई बारिश से भर गए हैं। इससे क्षेत्र की खूबसूरती में तो चार चांद लगे ही हैं, आसपास के सूखे पड़े हैंडपंप, कुएं, बोरिंग भी चार्ज हो गए हैं। आठ से दस फीट गहरे दो तालाब देवास रोड स्थित इंडस्ट्रियल क्षेत्र की तकरीबन 26 हजार वर्ग फीट ग्रीन बेल्ट की जमीन पर बनाए गए हैं। यहां के उद्योगपति जयहिंद चावड़ा और अनिल सूर्यवंशी ने बताया जहां लोग पहले कचरा फेंका करते थे, वहां तालाब बनाया है। इसकी प्रेरणा नगर निगम अध्यक्ष सोनू गेहलोत से मिली। उन्होंने तालाब बनने के फायदे बताए। खुदाई कार्य में सप्तसागर विकास मंडल का सहयोग दिलाया। तालाब बनाने पर आए तकरीबन 1 लाख रुपए का खर्च सभी उद्योगपतियों ने मिलकर उठाया। आज तालाब में भरपूर पानी है। सुंदरता और सुरक्षा बतौर फिलहाल तालाब किनारे तार फैंसिंग कर पौधारोपण किया है। अगले चरण में यहां पाथ-वे निर्माण कर कुर्सियां रखने व लाइटिंग की व्यवस्था कराना है। इसी प्रकार मक्सी रोड उद्योगपुरी के तकरीबन 1 हेक्टेयर ग्रीन बेल्ट एरिया में भी तालाब का निर्माण किया गया है। यहां वृहद पौधारोपण 19 अगस्त को कराए जाने की कवायद है। बाहर से आ रहे उद्योगपतियों ने इस कार्य को सराहा है। कहा है कि इसे देख पूरे प्रदेश को प्रेरणा मिलेगी।

शहर में दर्जनभर से ज्यादा तालाब : शहर में तालाबों की संख्या अब दर्जनभर से ज्यादा है। कुछ सालों पहले तक शहर में सिर्फ सात सागर- मां हरसिद्ध की पाल पर रूद्र सागर, नलिया बाखल में पुष्कर सागर, नईसड़क पर क्षीरसागर, निकास चौराहे पर गोवर्द्धन सागर, उंडासा में रत्नाकर सागर, अंकपात मार्ग पर विष्णु सागर, इंदिरानगर में पुर्ष्योत्तम सागर थे। इनमें से कुछ तालाब अपना अस्तित्व भी खो चुके थे, मगर नगर निगम अध्यक्ष की प्रेरणा से इनका जीर्णोद्धार हुआ।

खतरनाक ढंग से बाइक चला रहे थे नाबालिग, 15 के खिलाफ कार्रवाई

उज्जैन। शहर में नाबालिग अंधाधुंध बाइक चला रहे हैं। गुरुवार को यातयात पुलिस ने कोठी रोड पर अभियान चलाकर नाबालिग वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की। इनमें दो बाइक चालक तो तेज गति से बाइक चलाकर उसके स्टैंड से चिंगारी निकाल रहे थे। इसके अलावा दो किशोरों के पास स्पोर्ट बाइक मिली। पुलिस ने 15 बाइक जब्त की हैं। इसके अलावा मैजिक चालकों के खिलाफ भी चालानी कार्रवाई की गई। टीआई सुप्रिया चौधरी ने बताया कि एसपी के निर्देश पर गुरुवार को नाबालिग वाहन चालकों के खिलाफ अभियान चलाया गया। कोठी रोड पर नाबालिग तेज गति से वाहन चला रहे थे। इसके अलावा स्टैंड नीचे कर उससे सड़क पर रगड़कर चिंगारी निकाल रहे थे। वहीं दो के पास लाखों रुपए कीमत की स्पोर्ट बाइक थी। न तो उनके पास लाइसेंस था और न ही नियमों की जानकारी। पकड़े जाने पर अपने पिता व प्रभावशील व्यक्तियों को फोन कर बाइक छुड़वाने का प्रयास करने लगे। 15 चालकों के खिलाफ कार्रवाई कर वाहन जब्त किए गए हैं। अब कोर्ट में चालान पेश किया जाएगा। इसके अलावा मैजिक चालकों के खिलाफ भी कार्रवाई की जा रही है। ओवर लोडिंग, वर्दी नहीं पहनने व यातायात नियमों का उल्लंघन मिलने पर 45 चालकों के चालान बनाए गए। बुधवार को भी 61 चालान बनाए गए थे। अभियान लगातार जारी रहेगा।

बावड़ी में मिली युवक की लाश, 4 दिन से था लापता

उज्जैन। चार दिन से लापता युवक की गुरुवार सुबह महावीर नगर में स्थित बावड़ी में लाश मिली। इससे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक की जेब से शराब का क्वार्टर मिला। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाया है। जीवाजीगंज पुलिस ने बताया कि गुरुवार सुबह पीपलीनाका स्थित महावीर नगर के लोगों ने सूचना दी थी कि यहां बावड़ी में अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव बावड़ी से निकलवाया। मृतक की पहचान मनीष पिता गजानंद बैरागी (26) निवासी ऊर्दुपुरा के रूप में उसके नाना लक्ष्मीनारायण ने की। मृतक चार दिन से लापता था तथा शराब पीने का आदी था। उसकी जेब से शराब का क्वार्टर मिला। शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजन को सौंप दिया है।

पीथमपुर में लॉजिस्टिक पार्क तैयार, मिलेगी ठहरने से लेकर शॉपिंग तक सुविधा

इंदौर। पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र में में नया लॉजिस्टिक पार्क बनकर तैयार है। एकेवीएन ने इसका संचालन निजी हाथों में सौंपने का फैसला लिया है। किसी भी औद्योगिक क्षेत्र में बने अपनी तरह के पहले लॉजिस्टक पार्क में पार्किंग के साथ ठहरने और तमाम सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। एकेवीएन ने 20 करोड़ से ज्यादा खर्च कर पार्क का निर्माण किया है। पार्क में ट्रकों की पार्किंग की जगह के साथ एक वेयर हाउस, प्रसाधन से जुड़ी सुविधाएं, रेस्टॉरेंट, मोटल और चार दुकानें भी बनाई गई हैं। एकेवीएन एमडी कुमार पुरुषोतम के मुताबिक उद्योग और एक्सपर्ट लगातार कहते रहे हैं कि औद्योगिक क्षेत्रों में बिजली-पानी, सड़क जैसी सुविधा तो दे देते हैं लेकिन सोशल इन्फास्ट्रक्चर नहीं बनाते। उसी कमी को दूर करने के लिए लॉजिस्टिक पार्क तैयार किया है। इससे औद्योगिक क्षेत्र व सेज में माल लेकर आने वाली गाड़ियों और उद्योग प्रतिनिधियों को सुविधा मिलेगी। आम तौर पर कस्टम क्लियरेंस आदि प्रक्रिया में गाड़ियों को लंबा समय लग जाता है।

इंदौर का कारोबारी 1500 ट्रक अमोनियम नाइट्रेट की अवैध सप्लाय करने के आरोप में गिरफ्तार

इंदौर। सन सिटी निवासी कारोबारी अविनाश बाहेती को उदयपुर पुलिस ने शुक्रवार को अमोनियम नाइट्रेट की अवैध सप्लाय करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी देशभर में 1500 ट्रक अमोनियम नाइट्रेट बेच चुका है। पुलिस को इसकी एक साल से तलाश थी। आरोपी नौकरों के खातों के जरिए करोड़ों का लेनदेन करता था।

प्रतापनगर (राजस्थान) टीआई डॉ. हनुवंतसिंह के मुताबिक फरवरी व मार्च में पुलिस ने अमोनियम नाइट्रेट से भरे दो ट्रक जब्त कर चालक दिलीपसिंह व रामसिंह को गिरफ्तार किया था। दोनों ट्रक चालक सोडियम सल्फेट की बिल्टी लेकर ट्रक पास करने का प्रयास कर रहे थे। यह ट्रक एक्सीलेंट इंडिया लॉजिस्टिक अकुरडी पुणे द्वारा मेसर्स स्मृति केमिकल्स एंड इंटरमेडिज शोलापुर से भरा गया था। जबकि इसे पुष्पमूर्ति मिनरल्स एंड केमिकल्स प्रालि यूनिट पंतसाहिब के यहां खाली करना था। जांच में खुलासा हुआ कि दोनों ही स्थान फर्जी हैं। ट्रक मालिक रमेश व किशोरीलाल ने बताया कि ट्रक चखण टोलनाका नासिक से ट्रांसपोर्टर रवींद्र चुध से भरवाए थे। दोनों ट्रक दीपक फर्टिलाइजर पुणे से सप्लाय हुआ है। पुलिस ने रवींद्र को गिरफ्तार कर रिमांड पर लिया तो बताया अवैध कारोबार का मास्टर माइंड अविनाश बाहेती निवासी सनसिटी इंदौर है। वह नासिक से महाराष्ट्र पासिंग ट्रक से माल मंगवाता था। बाद में दूसरे ट्रकों में माल खाली करवा देता था। आरोपी स्वयं के लाइसेंस से अमोनियम नाइट्रेट क्रय कर नौकरों के नाम से फर्जी फर्मों के जरिए देभभर में फर्जी बिल व बिल्टियों के माध्यम से बेच देता था। पुलिस को जांच में नौकरों के खातों में करोड़ों रुपए जमा होने की जानकारी भी मिली है। टीआई के मुताबिक अमोनियम नाइट्रेक का इस्तेमाल विस्फोटक के रूप में भी किया जाता है। पुलिस ने विस्फोटक अधिनियम के तहत केस दर्ज किया है।

खबरें

दूसरा नोटिस जारी करने के साथ ही विभाग ने कंपनियों पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है

वन्य प्राणियों के अंग बेचने वाली ऑनलाइन शॉपिंग कंपनी को वन विभाग ने थमाया नोटिस

इंदौर। वन्य प्राणियों के अंग बेचने पर वन विभाग की टाइगर स्ट्राइक फोर्स ने ऑनलाइन शॉपिंग कंपनियों को नोटिस दिया है। विभाग ने पहले जून में नोटिस देकर इन अंगों को वेबसाइट से हटाने के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद कंपनियों ने इनकी बिक्री बंद नहीं की। दूसरा नोटिस जारी करने के साथ ही विभाग ने कंपनियों पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है। वन्य प्राणियों के अंग बेचने की शिकायत पर फोर्स के अधिकारियों ने 15 जून को विजय नगर क्षेत्र से संचालित होने वाली शुभ भक्ति कंपनी पर कार्रवाई की थी। टीम ने हथ्थाजोड़ी (मोनिटर लिजार्ड) और सियार सिंगी जब्त कर कंपनी के मालिक सुमित शर्मा, सचिन शर्मा व फिरोज अकबर अली को गिरफ्तार किया था। पूछताछ में आरोपियों ने पूजा सामग्री बतौर इन अंगों के इस्तेमाल करने की बात कही। मालवा मिल निवासी राजेश बंशीलाल पोरवाल से उक्त सामग्री खरीदना बताया है। जांच दल ने मालवा मिल स्थित दुकान पर छापा मारा। अधिकारियों के मुताबिक पूछताछ में आरोपियों ने अंगों के व्यापार के लिए ऑनलाइन शॉपिंग वेबसाइट का इस्तेमाल करना बताया। आरोपियों ने इन अंगों को स्नेपडील, इंडिया मार्ट, क्रॉफ्ट कम्पेरिजन और विश एंड बाय से बेचने की बात कही। विभाग की वाइल्ड लाइफ विंग के एसडीओ रजनीश सिंह ने प्रदेशभर में अधिकारियों को वन्य प्राणियों की बिक्री से जुड़े प्रकरण पर निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।

विभाग को किया गुमराह : पूछताछ में कई दिनों तक आरोपी विभाग को गुमराह करते रहे। उन्होंने इन अंगों को पेड़ों की जड़ से तैयार करने की बात कही। विभाग ने जबलपुर और हैदराबाद स्थित लैब में इन्हें जांचने के लिए भेजा। फिलहाल जबलपुर लैब ने हथ्थाजोड़ी की जांच रिपोर्ट दी है, जिसमें उन्होंने इन अंगों को सही पाया। जुलाई में पहला नोटिस देकर कंपनियों को इन अंगों को हटाने को कहा गया था।

थमाया दूसरा नोटिस : दूसरे नोटिस के बाद भी कंपनियां वेबसाइट पर अंगों की बिक्री करने में लगी हैं। अब चारों कंपनी पर वाइल्ड लाइफ एक्ट के तहत कार्रवाई की जाएगी। आसपास क्षेत्रों में अंग खरीदने-बेचने वालों पर नजर रखी जा रही है। प्रतिभा अहिरवार, एसडीओ, टाइगर स्ट्राइक फोर्स, इंदौर (वन विभाग)

आईआईएम इंदौर ने 20 साल बाद लॉन्च किया नया कोर्स, पहले साल की पढ़ाई इंदौर, दूसरे साल की मुंबई में

इंदौर। अपनी स्थापना के 20 साल बाद आईआईएम इंदौर ने दूसरा पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स सत्र 2018 से शुरू करने का ऐलान किया है। दो वर्षीय नए कोर्स को पीजीपी-ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट (एचआरएम) नाम दिया गया है। इसमें एक वर्ष की पढ़ाई इंदौर तो दूसरे साल की पढ़ाई मुंबई में होगी। विभाग ने नए कोर्स की सीटों और प्रवेश प्रक्रिया का खुलासा अभी नहीं किया है। माना जा रहा है कि उसमें कैट के जरिये ही प्रवेश होगा। यह पूरी तरह रेसीडेंशियल होगा। पहले साल में तीन टर्म की पढ़ाई इंदौर में होगी। पहले साल के बाद आठ सप्ताह प्रोजेक्ट के तौर छात्रों को किसी कंपनी में ट्रेनिंग करना होगी। यह ट्रेनिंग कोर्स के स्पेशलाइजेशन एचआरएम में ही होगी। दूसरे साल की पढ़ाई के लिए छात्रों को मुंबई कैंपस भेजा जाएगा, जहां ज्यादातर हिस्सा प्रैक्टिकल ट्रेनिंग का होगा।

'ब्लू व्हेल' गेम पर प्रतिबंध लगाने के लिए पुलिस मुख्यालय ने मांगी रिपोर्ट

इंदौर। सुसाइड गेम 'ब्लू व्हेल' के शिकार सातवीं के छात्र द्वारा आत्महत्या के प्रयास की घटना ने सबको झकझोर दिया है। शुक्रवार को पुलिस मुख्यालय ने पूरे घटनाक्रम की रिपोर्ट मांग ली। इस रिपोर्ट के आधार पर गेम पर प्रतिबंध लगाने की कार्रवाई की जाएगी। राजेंद्र नगर स्थित चमेली देवी पब्लिक स्कूल में 12 वर्षीय छात्र गेम के पांचवें चैलेंज को पूरा करने के लिए स्कूल की तीसरी मंजिल से छलांग लगाने का प्रयास कर रहा था। ऐनवक्त पर सहपाठियों ने उसे रोक लिया। इस घटना की जैसे ही खुफिया रिपोर्ट पहुंची, आईजी (लॉ एंड ऑर्डर) मकरंद देउस्कर ने स्थानीय अफसरों से जानकारी मांगी। उन्होंने बच्चे और स्कूल प्रबंधन से बातचीत कर उसकी तह तक जाने और यह जांचने के निर्देश दिए कि बच्चे कैसे मनोवैज्ञानिक रूप से गेम में डूब जाते हैं।

पर्यटन-स्थल कुकरू के लिये ऑनलाइन बुकिंग सुविधा शुरू

भोपाल। बैतूल जिले का कुकरू क्षेत्र अपने नैसर्गिक सौंदर्य के कारण पर्यटकों में दिनों-दिन लोकप्रिय होता जा रहा है। यहाँ के प्राकृतिक विहंगम दृश्य, नजदीकी मेल घाट और चीकलधारा (हिल-स्टेशन) पर्यटकों के आकर्षण का मुख्य केन्द्र बन रहे हैं। इसे देखते हुए ईको पर्यटन बोर्ड ने ऑनलाइन बुकिंग सुविधा शुरू की है। पर्यटकों के लिये जुलाई में विभिन्न पैकेज वाला जंगल कैम्प भी तैयार किया गया है, जिनकी पर्यटक ऑनलाइन बुकिंग करा सकेंगे। एम.पी. ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से पर्यटक mponling.gov.in पर जाकर ईको-टूरिज्म सिलेक्ट कर घर बैठे बुकिंग कर सकते हैं। कुकरू में पर्यटकों के लिये स्थानीय व्यंजन के साथ-साथ रात्रि विश्राम की व्यवस्था, कॉटेज एवं टेंट में रहेगी। इसी के साथ उन्हें नेचर ट्रेल, पक्षी-दर्शन, प्रकृति-दर्शन और अन्य गतिविधियों की भी सुविधा मिलेगी।

एक-दिवसीय पैकेज में कम से कम चार पर्यटकों का होना अनिवार्य है। तीन सौ रुपये प्रति पर्यटक वाले पैकेज में वेलकम ड्रिंक, लंच, कॉफी, प्लांटेशन भ्रमण, एम.एन. बुच प्वाइंट ट्रेक, भोण्डिया कुण्ड दर्शन, पवन ऊर्जा संयंत्र भ्रमण शामिल है। आठ सौ रुपये प्रति पर्यटक एक दिवस-रात्रि पैकेज में एल्पाइन टेंट में ठहरने की सुविधा, वेलकम ड्रिंक, लंच, कॉफी, प्लांटेशन भ्रमण, एम.एन. बुच प्वाइंट ट्रेक, भोण्डिया कुण्ड दर्शन, पवन ऊर्जा संयंत्र भ्रमण के साथ साहसिक गतिविधियाँ शामिल हैं। एक दिवस-रात्रि 900 रुपये प्रति पर्यटक पैकेज में ईकोनॉमी कमरे में ठहरने की सुविधा के साथ वेलकम ड्रिंक, लंच, कॉफी, प्लांटेशन भ्रमण, एम.एन. बुच प्वाइंट ट्रेक, भोण्डिया कुण्ड दर्शन, पवन ऊर्जा संयंत्र भ्रमण के साथ साहसिक गतिविधियाँ शामिल हैं। जबकि 1000 रुपये प्रति पर्यटक वाले पैकेज में डीलक्स कमरे में एक दिन-रात ठहरने की सुविधा के साथ पर्यटक वेलकम ड्रिंक, लंच, कॉफी, प्लांटेशन भ्रमण, एम.एन. बुच प्वाइंट ट्रेक, भोण्डिया कुण्ड दर्शन, पवन ऊर्जा संयंत्र भ्रमण के साथ साहसिक गतिविधियों का आनंद ले सकेंगे।

अस्पतालों में पल्स ऑक्सीमीटर बिलकुल दुरुस्त रखें

भोपाल। स्वास्थ्य विभाग में आज भी स्वाइन फ्लू, डेंगू, चिकनगुनिया आदि संक्रामक रोगों की समीक्षा की गयी। संचालक डॉ. के.एल. साहू ने प्रदेश के सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों से कहा है कि वे स्वाइन फ्लू ओपीडी में पल्स ऑक्सीमीटर बिलकुल ठीक हालत में हो, यह सुनिश्चित करें। डॉ. साहू ने कहा कि एच-1 एन-1 का संक्रमण की जल्दी पहचान करें, ताकि निदान हो सके। प्रदेश में आज डेंगू के 12 परीक्षण हुए, जिसमें एक मरीज में डेंगू की पुष्टि हुई। यह डेंगू प्रभावित व्यक्ति राजस्थान के कोटा का है। स्थानीय अस्पताल में इसका उपचार जारी है। इसी तरह भोपाल में भी आज एक मरीज में चिकनगुनिया की पुष्टि हुई।

43 नगरीय निकाय में शांतिपूर्ण मतदान संपन्न

भोपाल। प्रदेश के 43 नगरीय निकाय में शांतिपूर्ण मतदान संपन्न हुआ। अभी तक प्राप्त जानकारी के अनुसार लगभग 71 प्रतिशत औसत मतदान हुआ। मतगणना 16 अगस्त को सुबह 9 बजे से होगी। राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री आर. परशुराम ने बताया कि 52 मतदान केन्द्रों में वेबकास्टिंग की गयी। कुल 43 नगरीय निकाय के 762 वार्ड में 1174 मतदान केन्द्र बनाये गये थे। अध्यक्ष पद के अभ्यर्थियों की संख्या 161 और पार्षद पद के अभ्यर्थियों की संख्या 2133 है। कुल मतदाता 794894 हैं। नगरीय निकाय पाली, बैहर, लखनादौन, पांढुर्ना, मोहगाँव, चिचोली, मण्डलेश्वर, महेश्वर, भीकनगाँव, अलीराजपुर, चंद्रशेखर आजाद नगर, और जोबट में सभी मतदान केन्द्रों में अध्यक्ष और पार्षद पद के अभ्यर्थियों के शपथ-पत्र की जानकारी का फ्लेक्स लगाया गया। इसी तरह डबरा, बिछिया, सारणी, आठनेर और सैलाना में अध्यक्ष पद के अभ्यर्थियों के शपथ-पत्र की जानकारी मतदान केन्द्र में प्रदर्शित की गयी। मतदाताओं द्वारा मोबाइल एप चुनाव के माध्यम से ई-पर्ची के द्वारा भी मतदान किया गया। अनुसूचित क्षेत्र की 37 नगरीय निकाय तथा 4 नगरीय निकाय में अध्यक्ष पद के उप निर्वाचन और 2 नगरीय निकाय में अध्यक्ष को पद से वापस बुलाये जाने के लिये मतदान हुआ। इसके साथ ही 5631 पंच, 74 सरपंच, 14 जनपद पंचायत सदस्य, 3 जिला पंचायत सदस्य के उप निर्वाचन एवं 356 पंच और 23 सरपंच के लिये भी मतदान हुआ।

संभागायुक्त श्री श्रीवास्तव ने कलेक्टर कोर्ट एवं एडीएम कोर्ट का किया निरीक्षण

भोपाल। भोपाल संभागायुक्त श्री अजात शत्रु श्रीवास्तव ने रायसेन कलेक्टर एवं एडीएम कोर्ट का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने राजस्व न्यायालय में दर्ज प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती भावना वालिम्बे एवं एडीएम श्री एमके जैन को निर्देश दिए कि कार्यालय में लंबित सीमांकन, नामांकन, बंटवारा व बटांकन जैसे आवेदनों का त्वरित गति से निराकरण कराएं। संभागायुक्त श्री श्रीवास्तव ने निर्देश दिए कि राजस्व प्रकरणों का निराकरण विशेष अभियान चलाकर किया जाए। उन्होंने कहा कि राजस्व न्यायालयों में प्रकरण लम्बित होने तथा आवेदक को उचित न्याय नहीं मिलने की स्थिति में जिम्मेदार अधिकारी-कर्मचारी के विरूद्ध कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने एडीएम और एसडीएम को निर्देश दिए कि वे अपने अधीनस्थ राजस्व न्यायालयों का भी आकस्मिक निरीक्षण कर देखें कि वहां कोई भी राजस्व प्रकरण दर्ज होने से या उनके संज्ञान में आने से छूटा तो नहीं है।

खबरें

अंधविश्वास से बचें लोग - वन मंत्री डॉ शेजवार की अपील

वन्य-प्राणी अवयवों की ऑनलाइन ट्रेडिंग के लिये स्नेपडील, इण्डिया मार्ट को नोटिस

भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य-स्तरीय टाइगर स्ट्राइक फोर्स ने स्नेपडील, इण्डिया मार्ट, विश एण्ड बॉय एवं क्रॉफ्ट कम्पेरिजन कम्पनियों को अपने ऑनलाइन ट्रेडिंग पोर्टल पर वन्य-प्राणी अवयवों का विक्रय करने पर नोटिस जारी किया है। कम्पनियों से कहा गया है कि वे अपनी साइट से वन्य-प्राणी अवयवों की बिक्री एवं उससे संबंधित सभी सूचनाएँ तत्काल हटायें। यह भी स्पष्ट करें कि वन्य-प्राणी अवयवों के व्यापार में सम्मिलित होने के कारण क्यों न उनके विरुद्ध भी कार्रवाई की जाये। अंधविश्वास का दुष्प्रचार करने वाले खुद मुसीबत में फंसे : टाइगर स्ट्राइक फोर्स की इंदौर इकाई ने 15-16 जून, 2017 को इंदौर के विजय नगर क्षेत्र से शुभ भक्ति नामक कम्पनी के परिसर से वन्य-प्राणियों के अंगों से निर्मित हत्थाजोड़ी और सियार सिंगी जप्त की थी। कम्पनी के मालिक सुमित शर्मा, सचिन शर्मा और फिरोज अली को गिरफ्तार किया था। जाँच के दौरान आरोपियों ने खुलासा किया कि वे अपनी कम्पनी से पूजा सामग्री का व्यापार करते हैं और ऊँचे दामों पर बेचते हैं। आरोपियों ने बताया कि लोगों के अंधविश्वास जैसे हत्थाजोड़ी से कोर्ट केस में जीत होगी, पास रखने पर धन वर्षा होगी, संतान सुख मिलेगा, व्यापार बढ़ेगा और सारी समस्याएँ खत्म हो जायेंगी, इससे इन अवयवों की अच्छी बिक्री होती थी, लेकिन अब इन अवयवों के कारण वे खुद मुसीबत में फंस गये हैं।

वन्य-प्राणी संरक्षण अधिनियम में प्रकरण दर्ज : सभी आरोपियों के विरुद्ध वन्य-प्राणी संरक्षण अधिनियम में प्रकरण दर्ज किया गया था। जाँच के दौरान उन्होंने खुलासा किया कि वे उक्त चारों वेबसाइट के माध्यम से भी इन वन्य-प्राणियों का व्यापार करते हैं। बचाव में अपराधियों ने कहा कि यह सामग्रियाँ वन्य-प्राणियों की न होकर पौधों की जड़ आदि हैं। हालांकि जाँच दल को पता था कि यह वन्य-प्राणी अवयव हैं, उसके बाद भी फारेंसिक जाँच करवायी गयी, जिसमें वन्य-प्राणियों के अवयव होने की पुष्टि हुई।

ऑनलाइन बिक्री है देश में अंधविश्वास बेचने का नया तरीका : मध्यप्रदेश एवं भारत के अन्य राज्यों में व्याप्त अंधविश्वासों के चलते वन्य-प्राणी अवयवों के दुरुपयोग की घटनाएँ पहले भी होती रही हैं। परंतु ऑनलाइन बिक्री जैसे नवीन साधनों के कारण इनका स्वरूप बदल गया है। पिछले दिनों वाइल्ड लाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो द्वारा भी दिल्ली, आंध्रप्रदेश, ओडिसा से भी इस प्रकार की कार्रवाई संबंधी प्रकरण दर्ज किये गये थे। इंदौर में हुई कार्रवाई में वाइल्ड लाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो के अधिकारी भी शामिल थे।

वन मंत्री की अपील : वन मंत्री डॉ. गौरीशंकर शेजवार ने लोगों से अपील की है कि इस प्रकार के अंधविश्वास और वन्य-प्राणी अवयवों से होने वाले छद्म लाभ एवं प्रलोभनों से दूर रहें। अपने आसपास के लोगों को भी जागरूक करें। वन्य-प्राणी अवयवों को अपने पास रखना, व्यापार करना, उपयोग करना कानूनन अपराध है। यदि उन्हें वन्य-प्राणी अवयवों के क्रय-विक्रय की जानकारी हो तो, मोबाइल क्रमांक 9424792414, 9424797267, 9424792115, 942479324 और 9424797031 में से किसी एक नम्बर पर सूचना अवश्य दें।

प्रदेश में 121 लाख हेक्टेयर से अधिक रकबे में खरीफ की बोनी पूरी

भोपाल। प्रदेश में इस वर्ष खरीफ सीजन में अब तक 121 लाख 43 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में खरीफ की बोनी की जा चुकी है। राज्य में बोयी गयी खरीफ फसलों की स्थिति सामान्य रूप से संतोषजनक है। वर्तमान में किसी कीट-बीमारी का विशेष प्रकोप देखने में नहीं आया है। राज्य के कुछ क्षेत्रों में वर्षा सामान्य से कम होने के बाद भी आवश्यक नमी होने के कारण फसलों का विकास बराबर बना हुआ है। किसान-कल्याण तथा कृषि विकास संचालक श्री मोहनलाल के अनुसार प्रदेश में खरीफ फसलों की बोनी का काम लगभग पूरा हो चुका है। राज्य में 132 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में बोनी किये जाने का कार्यक्रम तय किया गया है। अब तक करीब 92 प्रतिशत बोनी का कार्य पूरा किया जा चुका है। खरीफ सीजन में अनाज की फसलों में धान 23 लाख 60 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में बोने का कार्यक्रम तय किया गया है। अब तक धान की 18 लाख 6 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में बोनी की जा चुकी है, जो पिछले वर्ष के मुकाबले अधिक है। अनाज की अन्य फसल मक्का की 12 लाख 85 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में बोनी किये जाने का लक्ष्य तय किया गया था। इसके विरुद्ध लक्ष्य से अधिक करीब 13 लाख 11 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में मक्का की बोनी की गयी है, जो पिछले वर्षों के मुकाबले में अधिक है। किसानों ने मक्का की बुआई में अच्छी दिलचस्पी दिखायी है। खरीफ सीजन में अनाज फसलों की कुल 36 लाख 20 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में बोनी की गयी है।

प्रदेश में अब तक सोयाबीन की 48 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में बोनी की गयी है। इस वर्ष सोयाबीन का 53 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में बोनी किये जाने का कार्यक्रम तय किया गया है। खरीफ सीजन में इस वर्ष तिलहनी फसलों में करीब 54 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में बोनी का कार्य पूरा किया जा चुका है। कपास की बुआई 5 लाख 80 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में किसानों द्वारा की गयी है। राज्य में 25 लाख 88 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में दलहन फसलों की बुआई की गयी है।

सम्पादकीय

समाज के हर वर्ग का विकास

मध्यप्रदेश में बीते ग्यारह वर्ष आमजनों के विकास के रहे हैं, ऐसा विकास जो जन अपेक्षाओं के अनुरूप हो। प्रदेश में ऐसा विकास हुआ जिसका लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुँचा। समाज का हर वर्ग जिसमें गरीब, कमजोर, किसान, मजदूर, महिला, बजुर्ग, युवा हैं सबने इस विकास को महसूस किया। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान का दूरदर्शी नेतृत्व विकास के इस अहसास के पीछे है, जिसने मध्यप्रदेश में विकास का नया अध्याय लिखा है। मध्यप्रदेश विकास दर के मामले में देश में अव्वल बना। लगातार कई साल से विकास दर दहाई अंक में है। प्रदेश की ऐतिहासिक कृषि विकास दर ने लोगों को चमत्कृत कर दिया। लगातार चार साल से देश को राष्ट्रीय कृषि कर्मण पुरस्कार मिल रहा है। मध्यप्रदेश में ऐसी कई कल्याणकारी योजनाएँ इस अवधि में शुरू हुई, जिनकी उपयोगिता को देश-विदेश में माना गया। समाज के हर वर्ग से संवाद के लिये पंचायतों के जरिये प्रदेश में नीतियों और योजनाओं का निर्माण जनता के बीच और उनकी जरूरतों के अनुरूप करने का अद्वितीय प्रयोग किया गया। मध्यप्रदेश की जिन नवाचारी योजनाओं को राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिली है, वे जनता के विभिन्न वर्गों से सम्वाद के लिये की गयी पंचायतों में मिले सुझावों से जन्मी है। बेटी बचाओ अभियान की शुरूआत देश में सबसे पहले मध्यप्रदेश में की गयी।

आम-जनता की तकलीफों को जानने-समझने की ललक से प्रदेश में मुख्यमंत्री कन्यादान योजना बनी है जिसमें गरीब की बेटी के विवाह की चिंता की गयी है। लाड़ली लक्ष्मी जैसी क्रांतिकारी योजना शुरू की गयी है, जो बेटी को बोझ नहीं वरदान बनाती है। आगे जाकर इसमें केवल बेटियों के माता-पिता को पेंशन देने की व्यवस्था भी की गयी है। मुख्यमंत्री तीर्थ-दर्शन योजना ऐसी योजना है जो गरीब वृद्धजनों को तीर्थ यात्रा का अवसर देती है। गरीबी के चलते जो बुजुर्ग तीर्थ यात्रा की आस मन में लिये संसार से चले जाते हैं प्रदेश सरकार उनके लिये सभी धर्मों के तीर्थों पर आस्था की रेल भेज रही है। जिससे वह तीर्थ यात्रा की इच्छा पूरी करते हैं। गरीब मजदूरों के लिये मुख्यमंत्री मजदूर सुरक्षा योजना बनायी गयी जिनमें मजदूरों के परिवारों के लिये प्रसव सहायता, चिकित्सा सहायता, शिक्षा सहायता जैसी व्यवस्थाएँ की गयी हैं। यह योजना श्रमिक कल्याण के क्षेत्र में मील का पत्थर है। ऐसी कई योजनाएँ हैं जिनका उल्लेख किया जा सकता है। मुख्यमंत्री चौहान खुद किसान पृष्ठभूमि से है इसलिये वे खेती-किसानी की जरूरतों को बेहतर तरीके से समझते हैं। इसी के चलते वे किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर कृषि ऋण दिलाने जैसी योजना की जरूरत समझकर लागू करते हैं। अब वे इससे आगे जाकर ऋणात्मक दस प्रतिशत पर कृषि ऋण देने की बात कर रहे हैं। इन्हीं कोशिशों से प्रदेश की कृषि विकास दर 24.9 प्रतिशत तक पहुँचती है और प्रदेश को चार बार राष्ट्रीय कृषि कर्मण अवार्ड मिलता है, जिसे वे सहजता से किसानों की उपलब्धि बताते हैं। खेती में सिंचाई का महत्व समझते हुए प्रदेश में लगातार सिंचाई का क्षेत्र बढ़ाने का प्रयास किया गया है। वर्षों से अधूरी सिंचाई योजनाएँ पूरी की गयी। किसानों के लिये नहर के अंतिम छोर तक पानी पहुँचाया गया। सिंचाई की क्षमता ग्यारह साल में साढ़े 7 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 40 लाख हेक्टेयर तक पहुँच गयी है। मालवा को रेगिस्तान बनने से बचाने के लिये नर्मदा-क्षिप्रा लिंक महत्वाकांक्षी नदी जोड़ो योजना पूरी की गयी हैं, जिसमें नर्मदा का पानी क्षिप्रा में डाला गया है। इस योजना से हजारों गाँवों में सिंचाई के साथ पेयजल की व्यवस्था भी होगी। यह योजना पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी की नदी जोड़ो योजना को साकार करती है।

आम लोगों को सरकारी दफ्तरों से अपने रोजमर्रा के कामों में आने वाली देरी को समझते हुए ही प्रदेश में मध्यप्रदेश में लोक सेवा गारंटी प्रदाय अधिनियम जैसा क्रांतिकारी कानून लागू किया गया। जो सेवा की समय सीमा में मिलने की गारंटी की बात करता है तथा देरी होने पर संबंधित सरकारी कर्मचारी पर जुर्माने की व्यवस्था करता है। इस अनूठे कानून को देश के कई राज्यों ने अपने यहाँ लागू किया है। इस अधिनिमय के लिये मध्यप्रदेश को संयुक्त राष्ट्र संघ का लोक सेवा अवार्ड मिला है। भ्रष्टाचार के विरूद्ध जीरो टालरेंस की प्रतिबद्धता के चलते मध्यप्रदेश विशेष न्यायालय अधिनियम लागू किया गया है, जिसमें भ्रष्ट शासकीय कर्मियों की संपत्ति को राजसात करने का प्रावधान है। प्रदेश में हाथठेला रिक्शा चालकों को मालिक बनाने की पहल भी की गयी है। इसी तरह घरेलू कामकाजी महिलाओं के लिये परिचय पत्र और कल्याण योजनाएँ बनायी गयी हैं। दूसरी ओर मुख्यमंत्री युवा स्व-रोजगार जैसी योजना है जिसमें युवा उद्यमियों के ऋण की गारंटी राज्य सरकार की ओर से देने की व्यवस्था की गयी है।

हाल ही में राज्य सरकार ने नागरिकों की जिंदगी में खुशी लाने के लिये आनंद विभाग का गठन किया है। आनंद विभाग का गठन करने वाला मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है। जन विकास के इन्हीं सकारात्मक प्रयासों को आम जनता की भरपूर सराहना और प्रतिसाद मिला है। इसी के चलते लोगों ने मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री श्री चौहान के नेतृत्व वाली सरकार को लगातार चुना। मध्यप्रदेश इस अवधि में पिछड़े राज्यों की श्रेणी से निकलकर विकसित प्रदेशों की पंक्ति में आ गया है और विकास की यह उड़ान अभी थमी नहीं है, सतत जारी है।

- पराग वराडपांडे

नर्मदा सेवा मिशन की जिम्मेदारियाँ तय

नर्मदा नदी मध्यप्रदेश की जीवन-रेखा है। यह भारतीय उप महाद्वीप की पाँचवीं सबसे बड़ी नदी होने के साथ ही भारत की सात पवित्र नदियों में से एक है। मध्यप्रदेश में नर्मदा नदी 16 जिले और 51 विकासखण्ड से होती हुई 1077 किलोमीटर का मार्ग तय करती है। राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान के निर्देशन में प्रदेश की जीवन रेखा नर्मदा नदी के संरक्षण एवं संवर्धन के लिये 'नर्मदा सेवा मिशन' गठित किया है।

उद्देश्य : मिशन वृक्षारोपण के जरिये नदी तटीय क्षेत्र का संरक्षण, उन्नत स्वच्छता, तरल एवं ठोस अपशिष्ट और सामुदायिक एवं व्यक्तिगत स्वच्छता प्रबंधन, जल-संरक्षण एवं नदी कछार क्षेत्र विकास, प्रदूषण नियंत्रण एवं प्रबंधन, जैविक खेती और गुड एग्रीकल्चर प्रेक्टिस को प्रोत्साहन, संवेदनशील एवं स्वच्छ कृषि का विकास, नर्मदा नदी के संरक्षण एवं संवर्धन को आजीविका से जोड़ना, नदी संसाधनों का यथोचित उपयोग, नदी क्षेत्र में स्वस्थ पारिस्थितिकीय तंत्र का विकास, नर्मदा नदी के संरक्षण- संवर्धन के लिये समाज का क्षमता वर्धन एवं सहभागिता सुनिश्चित करना और नर्मदा तटीय क्षेत्र में नशामुक्त समाज के निर्माण जैसे कार्य करेगा।

राज्य क्रियान्वयन समिति : नर्मदा सेवा मिशन के संचालक अपर मुख्य सचिव योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी होंगे। संचालक की अध्यक्षता में स्तरीय क्रियान्वयन समिति मिशन कार्य की सतत मॉनिटरिंग करेगी। मिशन समन्वयक प्रमुख सलाहकार अथवा सलाहकार, राज्य योजना आयोग होंगे। समिति के सदस्यों में वन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नर्मदा घाटी विकास और ऊर्जा विभाग के अपर मुख्य सचिव, किसान-कल्याण तथा कृषि विकास, जल संसाधन, उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण, पर्यावरण, पर्यटन, नगरीय विकास तथा आवास, मछुआ कल्याण तथा मत्स्य-विकास, पशुपालन, ग्रामोद्योग, राजस्व, खनिज, संस्कृति, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विकास, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, वाणिज्य, उद्योग एवं रोजगार और सूक्ष्म, लघु, मध्यम एवं उद्यम विभाग के प्रमुख सचिव, कार्यपालक निदेशक जन अभियान परिषद, मुख्यमंत्री द्वारा नामांकित पाँच विषय-विशेषज्ञ एवं नर्मदा नदी के संरक्षण एवं संवर्धन में कार्यरत स्वयंसेवी/ समाज सेवी संगठनों के पाँच प्रतिनिधि इस समिति के सदस्य होंगे।

21 विभाग के जरिये होगी उद्देश्य की पूर्ति : मिशन इन उद्देश्यों की पूर्ति के लिये नर्मदा नदी के संरक्षण हेतु नर्मदा तटीय क्षेत्र में 20 विभागों द्वारा संचालित कार्यों का मूल्यांकन एवं समन्वय करने के कार्य करेगा। मिशन नर्मदा तटीय क्षेत्र में वानस्पतिक आच्छादन एवं वन क्षेत्र बढ़ाने के लिये निजी एवं शासकीय भूमि में वृक्षारोपण, नर्मदा तटीय क्षेत्र में मनुष्य की स्वच्छ जीवन शैली जैसे - खुले में शौच से मुक्ति आदि की दिशा में, कृषि की आधुनिक पद्धतियों से नदी एवं पर्यावरण के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन कर वैकल्पिक कृषि जैसे जैविक खेती को प्रोत्साहन आदि पर कार्य करेगा। साथ ही प्रदूषण के कारकों की पहचान कर उनके निवारण, नर्मदा के संरक्षण एवं संवर्धन में आजीविका सुनिश्चित करते हुए समाज की सहभागिता बढ़ाने की दिशा में, संरक्षण एवं संवर्धन हेतु नवीनतम तकनीकों का विकास, अनुसंधान एवं अंगीकरण, 'नमामि देवि नर्मदे' - सेवा यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा की गई घोषणाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का कार्य भी मिशन करेगा। मिशन नर्मदा नदी के अस्तित्व की चुनौतियों को कम करने की दिशा में सतत् प्रयास, नदी के संरक्षण, वानस्पतिक एवं जल-संरक्षण की प्राचीन पारम्परिक पद्धति का संकलन एवं दस्तावेजीकरण, नर्मदा कछार में जैव विविधता के संरक्षण के लिये शासनाधीन संस्थानों द्वारा किये जा रहे कार्यों को गति देने, प्रदेश में वर्तमान में नर्मदा सेवा के लिये कार्यरत स्वैच्छिक एवं सामाजिक संगठनों की शासन के साथ सहभागिता सुनिश्चित करना, समाज के समस्त वर्गों को नदी के संरक्षण के प्रति साक्षर करने के लिये नर्मदा सेवा केन्द्रों अथवा ज्ञान केन्द्रों की स्थापना एवं संचालन और राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों को नर्मदा संरक्षण के कार्यों से जोड़ने का कार्य करेगा। मिशन द्वारा नर्मदा नदी के तटीय क्षेत्र में धार्मिक परिवेश की पवित्रता अक्षुण्ण बनी रहने, नर्मदा के संरक्षण में शासन के साथ समाज की सहभागिता सुनिश्चित करने, नदी के संरक्षण के लिये अनुदान राशि स्वीकार करने एवं नर्मदा संरक्षण के लिये वर्तमान तक पंजीकृत महोत्सवों जैसे वन एवं नदी महोत्सव आदि के आयोजन के लिये संबंधित विभागों एवं संस्थाओं से समन्वय, नर्मदा तटीय क्षेत्र में स्वच्छ पारिस्थितिकीय तंत्र विकसित करने और ऐसे सभी कार्य अथवा ऐसे कृत्य जो मिशन के लक्ष्य एवं उद्देश्य की प्राप्ति के लिये आवश्यक हों, किये जायेंगे।

SAAP SOLUTION
Explore New Digital World
- All Types of Website Designing
  - Business Promotion, Lease Website
  - Industrial Product Promotion through industrialproduct.in
  - Get 2GB corporate mail account @ Rs 1500/- Per Annum per mail account with advance sharing feature
- Logo Designing by Experts
- Bulk SMS Services

For more details visit our website saapsolution.com
For enquires contact on 9425313619,
Email: info@saapsolution.com

पपीते के पत्तों का जूस पीने से दूर होगी ये जानलेवा बीमारी...

पपीता खाने के ढेरों फायदे हम सभी बहुत अच्छी तरह से जानते हैं लेकिन क्या आपने कभी इसके पत्तों का जूस पीया है. अगर पीया है तो ठीक और नहीं पीया तो पीना शुरू कर दीजिए. क्योंकि पपीता खाने के साथ ही इसके पत्तों का जूस पीने से कई तरह की बड़ी बीमारियों को मात दी जा सकती है.

वैसे तो ज्यादातर डेंगू और चिकनगुनिया के रोगियों को इसका जूस पीने की सलाह दी जाती है. लेकिन अगर आप ताउम्र स्वस्थ रहना चाहते हैं तो इसे अपनी डाइट में शामिल किया जा सकता है.

1. कैंसर सेल्स का बढ़ने से रोके : पपीते के पत्तों में कैंसररोधी गुण होते हैं जो कि इम्यूनिटी को बढ़ाने में मदद करते हैं और सर्वाइकल कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर जैसे कैंसर के सेल्स को बनने से रोकते हैं.

2. इंफेक्शन से बचाए : शरीर की इम्यूनिटी को बढ़ाने के साथ ही पपीते के पत्तों का जूस शरीर में बैक्टीरिया की ग्रोथ रोकने में भी सहायक है. यह खून में वाइट ब्लड सेल्स और प्लेटलेट्स को बढ़ाने में भी मदद करता है.

3. डेंगू की रामबाण दवा : डेंगू और मलेरिया से लड़ने में पपीते की पतियों का जूस काफी लाभकारी रहता है. यह बुखार की वजह से गिरती प्लेटलेट्स को बढ़ाने और शरीर में कमजोरी को बढ़ने से रोकता है.

4. पीरियड्स के दर्द को करे दूर : पीरियड्स में होने वाला दर्द बहुत जानलेवा होता है और ऐसे में अगर पपीते की पत्ती को इमली, नमक और 1 ग्लास पानी के साथ मिलाकर काढ़ा बनाया जाए और इसे ठंडा करके पिया जाए तो काफी आराम मिलता है.

5. खून की कमी में लाभदायक : पपीते का रस की औषधि से कम नहीं है. अगर आपकी ब्लड प्लेटलेट्स कम हो रही हैं तो इसे पीने से ब्लड प्लेटलेट्स बढ़ जाती हैं. बस रोजाना इस जूस को दो चम्मच लगभग तीन महीने तक पिएं।

मेनोपॉज के दौरान मददगार है टमाटर का जूस

टोक्यो मेडिकल यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं के मुताबिक हर दिन टमाटर का एक ग्लास जूस रजोनिवृत्ति यानी कि मेनोपॉज़ के लक्षणों को कम करने में मददगार है. शोधकर्ताओं ने शोध में पाया कि आठ हफ्तों तक दिन में दो बार 200 मिलिलीटर टमाटर का जूस रजोनिवृत्ति के लक्षणों को कम करने में मददगार तो है ही साथ ही कोलेस्ट्रॉल और तनाव को भी नियंत्रित करता है.

इस शोध में 93 महिलाओं को टमाटर का जूस दिया गया और उनके हृदय की गति और कई अन्य जांच की गई. नतीजों में सामने आया कि तनाव, हॉट फ्लैश और उलझन जैसी मेनोपॉज़ से जुड़ी परेशानियां आधी हो गई. यही नहीं, आराम करने के दौरान महिलाओं की ज्यादा कैलोरी भी बर्न होती है. हाल ही में हुए एक अन्य शोध में माना गया है कि मेनोपॉज के बाद महिलाओं के लिए टमाटर का अधिक सेवन ब्रेस्ट कैंसर के रिस्क को कम करता है. टमाटर में विटामिन सी, लाइकोपीन, विटामिन, पोटैशियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है. टमाटर में कोलेस्ट्रॉल को कम करने की क्षमता होती है. टमाटर खाकर वजन को आसानी से कम किया जा सकता है.

आखिर क्यों दी जाती है रात में हल्का खाना खाने की सलाह?

टमाटर की खूबी है कि गर्म करने के बाद भी इसके विटामिन समाप्त नहीं होते हैं. न्यूजर्सी की रटगर यूनिवर्सिटी के शोध में माना गया है कि डाइट में अधिक टमाटर के सेवन से महिलाओं के हार्मोन्स पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है और यह फैट्स और शुगर को नियंत्रित करने में मदद करता है.

आयुर्वेद व होमियोपैथी के अनुभवी डॉक्टरों द्वारा घर बैठे पायें उचित परामर्श व दवाईयां

आयुष समाधान

- सभी रोगों का अनुभवी डॉक्टरों द्वारा होमियोपैथी व आर्युवेद पद्धति से इलाज किया जाता है।
- रूपये 500/- से अधिक की दवाईयों पर निःशुल्क डिलेवरी
- किसी भी प्रकार की एलर्जी का इलाज किया जाता है।
- यौन रोगियों का सम्पूर्ण इलाज किया जाता है।
- रजिस्टर्ड डायटीशियन से वजन कम करने हेतु व अपने सही डाईट प्लान हेतु सम्पर्क करें

Email: info@ayushsamadhaan.com

www.ayushsamadhaan.com

FOR MORE DETAILS & BENIFITS VISIT OUR WEBSITE FOR REGISTRATION

सच होने वाला है स्पेस में घूमने का आपका सपना, ISRO कर रहा है तैयारी

इंडियन स्पेस रिसर्च सेंटर भारत की उपलब्धियों में एक और महारथ हासिल करने जा रहा है. आपको ये जान कर बड़ी हैरानी होगी कि ISRO नें भारत में करीब 200 हाथियों के बराबर वजन वाला 'जबों रॉकेट' तैयार किया है, जिसका नाम GSLV MK-3 है. इस रॉकेट को आंध्रप्रदेश के श्रीहरिकोटा के रॉकेट सेंटर में रखा गया है. बहुत जल्द ही इसे लॉन्च करने की तैयारी भी की जा रही है.

सच होगा सपना : दिलचस्प बात ये है कि ये जंबों रॉकेट भारतीयों को धरती से स्पेस की सैर भी कराएगा. आम आदमी का स्पेस की सैर कर पाना तो बिलकुल एक सपने की तरह है. पर लगता है ISRO सपने को सच करने जा रहा है.

भारत का सबसे बड़ा रॉकेट : बताया जा रहा है कि ये भारत का अब तक का सबसे बड़ा और सबसे आधुनिक रॉकेट है. इस रॉकेट की सबसे खास बात ये है कि ये अब तक के सबसे वजनदार सैटेलाइट को स्पेस में ले जाने की क्षमता रखता है और इसे बनाने में करीब 300 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं.

जंबों एयरोप्लेन से 5 गुना बड़ा जंबों रॉकेट : बताया जा रहा है कि इस जम्बों रॉकेट का वजन 640 टन है जो कि किसी जंबों एयरोप्लेन से पांच गुना बड़ा है. साथ ही ये विशाल रॉकेट लगभग 4 टन के सैटेलाइट स्पेस में ले जाने की काबिलियत रखता है.

क्या कहा ISRO नें? : मीडिया? रिपोर्ट्स के अनुसार ISRO के चेयरमैन एएस किरण कुमार ने कहा, 'हमारी पूरी कोशिश है कि भारत का ये सबसे बड़ा रॉकेट अपनी पहली उड़ान सफलतापूर्वक भरे. अगर आने वाले 10 साल में या इस रॉकेट की पहली 6 उड़ानों में सबकुछ ठीक रहा, तो हम इस रॉकेट को भारतीयों को पृथ्वी से स्पेस की सैर कराने के लिए सबसे बेहतर विकल्प की तरह चुन सकते हैं. उन्होंने ये भी बताया, 'ये रॉकेट धरती की सबसे कम ऊंचाई वाली ऑर्बिट तक करीब आठ टन वजह ले जाने में सक्षम है. इसके लिए ISRO ने 2 से 3 मेंबर स्पेस में भेजने की योजना बनायी है जिसके लिए उन्हें 4 अरब डॉलर के फंड मिलने का इंतजार है.'

GSLV MK-3 जल्द ही किसी पहले इंसान के साथ अपनी पहली उड़ान भरेगा और संजोग से वो इंसान एक महिला होगी. इस रॉकेट के इंजन में लिक्विड ऑक्सीजन और हाइड्रोजन फ्यूज की तरह इस्तेमाल किए जायेंगे.

ह्यूमन स्पेस फ्लाइट प्रोग्राम वाला चौथा देश भारत : हालांकि जंबों रॉकेट की सफलतापूर्वक लॉन्चिंग की कोई पुष्टि तो नहीं है, लेकिन अगर भारत के इस रॉकेट मिशन ने कामयाबी हासिल कर ली तो रूस, चीन और अमेरिका के बाद भारत ह्युमन स्पेस फ्लाइट प्रोग्राम वाला चौथा देश बन जाएगा जो कि अपने आप में भारत की एक शानदार उपलब्धि होगी.

3 साल से लगातार लड़कियां बन रहीं UPSC TOPPER, जानिये पीछे की कहानी

UPSC एग्जाम 2016 के नतीजे जारी कर दिए गए हैं. इस साल सरकारी स्कूल से पढ़ाई करने वाली नंदिनी टॉपर हैं. इस बार UPSC के नतीजे कई तरह से खास हैं. पहली वहज यह है कि यूपीएसई में जिस राज्य का सबसे अच्छा प्रदर्शन रहा, उसमें जम्मू-कश्मीर का नाम भी शुमार है. जम्मू कश्मीर के 14 कैंडिडेट्स ने इस बार UPSC परीक्षा में पास होकर अपना स्थान पक्का किया है.

दूसरी सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि लगातार तीसरे साल TOPPER बनने वाली एक लड़की है. UPSC 2014 परीक्षा में इरा सिंघल टॉपर रही थीं, वहीं साल 2015 परीक्षा में टीना धाबी ने बाजी मारी थी. फिर तीसरे साल यानी यूपीएससी 2016 परीक्षा में नंदिनी केआर टॉपर हैं.

यूपीएससी के नतीजों से नारी सशक्तिकरण का अंदाजा लगाया जा सकता है. लड़कियां पढ़ रही हैं और आगे बढ़ रही हैं.

ज्यादा से ज्यादा महिलाओं का प्रशासनिक क्षेत्र में सामने आना बदलते भारत और बदलते समाज का सूचक है. इससे ये बात भी साबित होती है कि लड़कियां किसी से कम नहीं हैं और वो किसी भी क्षेत्र में खुद को साबित करने में सक्षम हैं.

इन तीन सशक्त महिलाओं के बारे में जानकर आप सिर्फ हैरान नहीं होंगे, बल्कि कुछ करने के लिए आप भी जरूर प्रेरित होंगे.

1. इरा सिंघल

UPSC सिविल सर्विस एग्जाम 2014 की टॉपर इरा सिंघल शारीरिक रूप से विकलांग हैं. इसके बावजूद वो PSC की जनरल कैटगरी में टॉप करने वाली देश की पहली प्रतिभागी हैं. इरा ने 2010 में सिविल सर्विस एग्जाम दिया था और तब उन्हें 815वीं रैंक मिली थी. शारीरिक रूप से विकलांग होने की वजह से उन्हें पोस्टिंग नहीं दी गई. हालांकि उन्होंने हार नहीं मानी और सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल में केस दायर किया. 2014 में केस जीतने के बाद उन्हें हैदराबाद में पोस्टिंग मिली. इस बीच उन्होंने अपनी रैंक सुधारने के लिए कोशिशें जारी रखीं. आखिरकार अपने चौथे प्रयास में उन्होंने सिविल सर्विस एग्जाम की जनरल कैटेगरी में टॉप किया.

इरा रीढ़ से संबंधित बीमारी स्कोलियोसिस से जूझ रही हैं. इसके चलते उनके कंधों का मूवमेंट ठीक से नहीं हो पाता है. हालांकि उन्होंने कभी अपनी बीमारी को आड़े नहीं आने दिया और उनकी सफलता इसी बात का प्रमाण है.

2. टीना डाबी : 22 साल की टीना Tina Dabi दिल्ली की रहने वाली है और उन्होंने PSC 2015 के एग्जाम में पहले ही प्रयास में सफल होकर सफलता का एक नया मुकाम हासिल किया. टीना के एजुकेशन के बारे में बात करें तो उनका UPSC टॉप करना कोई किस्मत का खेल नहीं है वह शुरू से इसके लिए मेहनत कर रही है और यह उनकी सालों से देखे गये सपने का और मेहनत का परिणाम था. उन्होंने IAS के लिए कम से कम रोजाना 10-12 घंटे पढ़ाई की. political scince में BA करने वाली टीना को Best all round student का अवार्ड भी college की ओर से मिल चुका है.

3. नंदिनी केआर

नंदिनी मूल रूप से कर्नाटक के कोलार जिले की रहने वाली हैं. उनके पिता सरकारी स्कूल में शिक्षक हैं और मां गृहिणी हैं. बेंगलुरु ने सिविल इंजीनियरिंग की है. नंदिनी ने शुरुआती पढ़ाई सरकारी स्कूल से की है. बारहवीं की पढ़ाई के लिए वो चिकमंगलूर ज़िले के मूदाबिदरी आईं और 94.83 प्रतिशत अंक हासिल किए. वो ओबीसी कैटेगरी से हैं.

23 साल की उम्र में बना ली करोड़ों की कंपनी, जानिये कैसे...

सफलता के लिए कोई उम्र की सीमा नहीं है और ही कोई समय तय है. आइडिया और विजन है तो आप किसी भी उम्र में सफल हो सकते हैं. ऐसी ही एक मिसाल हैं OYO के फाउंडर और मालिक 23 साल के रितेश अग्रवाल. रितेश के माता-पिता दरअसल चाहते थे कि वो आईआईटी में दाखिला लें और इंजीनियर बनें. रितेश भी कोटा, राजस्थान में रह कर आईआईटी एंट्रेस एग्जाम की ही तैयारियों में जुटे थे.

पर अपने आइडियाज और वीजन को पूरा होता देखने के लिए रितेश इंतजार नहीं करना चाहते थे. उन्होंने IIT की तैयारी छोड़कर अपने बिजनेस की तैयारी शुरू कर दी. 19 साल के रितेश अग्रवाल महीनों घूमते और बजट होटल में रुकते, ताकि वहां की तमाम चीजों के बारे में जान सकें. अपने अनुभव के बल पर रितेश ने अपने पहले स्टार्ट-अप यात्रा की शुरुआत की.

रितेश ने एक वेबसाइट तैयार किया, जहां वो सस्ते और किफायती होटल्स के बारे में जानकारी देते थे. इस वेबसाइट का नाम रखा 'ओरावल'. कुछ दिनों तक वेबसाइट चलाने के बाद रितेश को लगा कि लोग शायद नाम के चलते वेबसाइट को समझ नहीं पा रहे हैं. इसलिए उन्होंने साल 2013 में उसका नाम बदल कर OYO Rooms कर दिया. द न्यूयॉर्क टाइम्स की CB Insights ने OYO Rooms को उन कंपनियों में रखा, जो भविष्य में सफलता का परचम लहरा सकती हैं. बता दें कि रितेश के OYO Rooms में सॉफ्टबैंक ग्रुप, ग्रीनओक्स, सेक्यूइया कैपिटल और लाइटस्प्रेड इंडिया जैसी कंनियों ने निवेश किया है. रितेश अग्रवाल को साल 2013 में Thiel Fellowship के '20 अंडर 20' के लिए चुना गया था.

PRACHI
MATHS & SCIENCE TUTORIAL
(RUN BY PRACHI HUNDAL Ma'am
TEACHING SINCE 1992)
Exclusively for
6th, 7th, 8th, 9th, 10th
CBSE/ICSE
OUR USP'S ARE
● Small Batch Size
● Maths in all the batches by Prachi Hundal Ma'am
● Science by Senior faculties
REGISTER YOURSELF TODAY
BATCHES FROM
3rd April
VENUE : 313-9B SAKET NAGAR, NEAR SPS, BEHIND BSNL OFFICE
M. 9406542737

जब एक शराबी ने पूछा, अंगूर अच्छे तो शराब बुरी क्यों!

बहुत पुरानी बात है। प्रसिद्ध संत तिरुवल्लुवर एक बार अपने शिष्यों के साथ कहीं चले जा रहे थे। रास्ते में आने-जाने वाले लोग उनके चरण स्पर्श करते हुए आगे की ओर बढ़ते जा रहे थे। तभी, एक शराबी झूमता हुआ उनके सामने आया और खड़ा हो गया। फिर उसने संत तिरुवल्लुवर से कहा, आप लोगों से यह क्यों कहते फिरते हैं कि शराब खराब चीज है, मत पिया करो। क्या अंगूर खराब होते हैं, क्या चावल बुरी चीज है? अगर ये दोनों चीजें अच्छी हैं तो इनसे बनने वाली शराब कैसे बुरी हो गई?

लोग उस शराबी की ओर हिकारत भरी नजरों से देखने लगे कि संत तिरुवल्लुवर इस पर क्या जवाब देते हैं। संत मुस्कराकर बोले, भाई, अगर तुम पर मुट्ठी भरकर कोई मिट्टी फेंके या कटोरा भर कर पानी डाल दे तो क्या इससे तुम्हें चोट लगेगी?

शराबी ने ना में सिर हिलाया तो संत ने फिर कहा, लेकिन इसी मिट्टी में पानी मिलाकर उसकी ईंट बनाकर तुम पर फेंकी जाए तब....?

शराबी ने कहा, जाहिर सी बात है, उससे तो मैं घायल हो जाऊंगा।

संत तिरुवल्लुवर ने शराबी को फिर समझाते हुए कहा,जब मिट्टी में पानी मिलाकर उसकी ईंट बनाकर तुम पर फेंकी जाए तब तुम उससे घायल हो जाओगे, इसी प्रकार अंगूर और चावल भी अपने आप में बुरे नहीं हैं, मगर यदि इन्हें मिलाकर शराब बनाकर सेवन किया जाए तो यह मनुष्य के लिए नुकसानदेह है।

यह स्वास्थ्य को खराब करती है। इससे व्यक्ति की सोचने की क्षमता पर बुरा असर पड़ता है। इसके कारण तो परिवार नष्ट हो जाते हैं। संत की इस बात का उस शराबी पर गहरा असर पड़ा और उसने उस दिन से शराब से तौबा कर ली।

संक्षेप में : कई वस्तुओं के बारे में जानकरी अनुभव से मिलती है। यदि आप अपने मत के अनुसार ही दुनिया की यात्रा पर निकलेंगे तो कई तरह के संकटों से सामना करना पड़ेगा। कोशिश कीजिए कि सत्संग और सद्पुरुषों द्वारा दिए गए अनमोल वचन का अनुसरण करते हुए आगे बढ़ते रहें। एक न एक दिन आपको जरूर सफलता मिलेगी।

यकीन कीजिए! हंसी से हुई है इस धर्म की शुरूआत

भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में कहा है कि, प्रसादे सर्वदुखाना हानिरस्यो प्रजायते। प्रसन्नचेतसो हयाशु बुद्धि पर्थ वतिष्ठते।। यानी खुश रहने मात्र से बुद्धि स्थिर हो जाती है। मन का विचलना रुक जाता है। एकाग्रता बढ़ती है। इसलिए अर्जुन चिंता छोड़ो प्रसन्नता से रहो। इसी तरह जब युधिष्ठिर से जब एक बार यक्ष ने पूछा था कि, जीवन के लिए सबसे महत्वपूर्ण क्या है? तो युधिष्ठिर ने कहा था कि निरोगी काया। स्वस्थ रहने के लिए तन का स्वस्थ रहना जरूरी नहीं, मन का स्वस्थ रहना भी उतना ही जरूरी है। और मन की खुराक है सकारात्मक हंसी।

गंभीरता का विलोम है हंसी : हंसी गंभीरता का विलोम है तो मूर्खता का पर्याय। जैन धर्म की शुरूआत ही तो हंसी से हुई है। कहते हैं बुद्ध कभी नहीं हंसे, यह बात सच नहीं लगती, लेकिन भगवान बुद्ध का एक शिष्य था 'होतेई'। वह अपनी हंसी के लिए प्रसिद्ध था।

उनकी हंसी के कारण ही उनका नाम लाफिंग बुद्धा पड़ गया यानी एक हंसता हुआ बुद्ध। उसने अपने शिष्यों को ध्यान, प्रार्थना नहीं सिखाई, केवल हंसना सिखाया। अकारण हंसना सिखाया और हंसी से ही ध्यान की एक विशेष विधि विकसित की।

खुद पर हंसिए : यह बात बहुत दिलचस्प है कि बेबात हंसी हमें जिंदगी के माधुर्य की अनुभूति कराती है और हमारे भीतर सहज हंसी फूट पड़ती है। कहा जाता है, जिस इंसान के अंदर आत्मविश्वास होता है वही खुद पर हंस सकता है।

जो लोग किताबें पढ़ते हैं वह इस बात को जरूर जानते होंगे कि विलियम शेक्सपीयर के नाटकों में एक जोकर होता है। वह हंसकर सच बोल देता है, दूसरे को थोड़ा चुभता जरूर है लेकिन हंसकर ही सही... वो सच बोल देता है। कहने का आशय यह है कि हंसिए और हंसाइए। और खुशियां फैलाइए।

जब उनकी पत्नी बोलीं, 'नाकामयाबी में भी, धैर्य से करते रहें काम'

नाथानिएल हौथोर्न अंग्रेजी के महान लेखक थे। एक दिन उन्हें कस्टम हाउस नौकरी से निकाल दिया गया। जब वह घर पहुंचे तो पत्नी से बोले, 'आज मुझे नौकरी से निकाल दिया गया है।' उनकी पत्नी सोफिया यह सुनकर कुछ परेशान हुईं और फिर मुस्करा कर बोलीं, 'नाकामयाबी में धैर्य से काम करते रहना है। इतने हताश और उदास मत हो। मुझे पता है कि आप बहुत ही मेहनती, प्रतिभाशाली और विलक्षण इंसान हैं। अगर आपका यह रास्ता बंद हुआ है तो इसके साथ ही एक ऐसा रास्ता खुला है जो आपको भविष्य में सबके सामने प्रसिद्ध कर देगा।

नाथानिएल हैरानी से बोले, 'भला मेरी नौकरी छूटने से क्या अच्छा होगा?' तब उनकी पत्नी बोलीं, 'आप बहुत अच्छा लिखते हैं। आपके लेखन की शैली और भाषा गजब की है। नौकरी के कारण आप लेखन को पूरा समय नहीं दे पा रहे थे। अब समय ही समय है। आप लिखिए, सफलता अवश्य मिलेगी।' पत्नी की बात सुनकर नाथानिएल बोले, लेकिन तब तक घर का खर्च कैसे चलेगा? सोफिया बोलीं, आप लिखिए, तब तक घर खर्च मैं चलाऊंगी।

इसके बाद नाथानिएल लेखन में जुट गए और सोफिया ने घर संभाल लिया। दिन बीतते गए और एक साल बाद उन्होंने विक्टोरिया युग का महान उपन्यास द स्कारलेट लैटर लिखा। जिसे नाथानिएल हौथोर्न को नई पहचान दी। और आज भी इसी उपन्यास से पहचाना जाता है। संक्षेप में : हुनर हम सभी में होता है। बस जरूरत है सही समय पर अपने हुनर को तराशते हुए, उससे एक सुंदर रचना करने की। यह हुनर किसी विषय में हो सकता है।

सन्यासी से ज्यादा सुध-बुध खो देता है सांसारिक

बात बहुत पुरानी है। एक बार एक साधक साधना में लीन था। तभी उसी रास्ते से एक कामुक स्त्री अपने प्रिय से मिलने जा रही थी। वह प्रिय में इतनी खोई हुई थी, कि उसका पैर गलती से साधक को लग गया। तब साधक ने कामुक स्त्री से गुस्से में कहा, क्या आप अंधी हैं? तब कामुक स्त्री ने कहा, हे सन्यासी! क्या तुम अपने आराध्य की साधना में मग्न थे? मुझे देखो मैंने अपने प्रिय के प्रेम में अपनी सुध-बुध भी खोई हुई है। कहने का आशय यह है कि संसारिक व्यक्ति एक विषय में इतना व्यस्त व ध्यान शील हो जाता है की अपनी सुध-बुध खो बैठता है। ध्यान में सन्यासी लोग अभयस्त हैं और इन संसारिक विषयों में ही उनका मन टिकता है। एकाग्र होता है। वह इतना एकाग्र होता है की शायद किसी सन्यासी का भी न होता हो। यही बंधन है।

कैसे जन्मी थीं राधा, यह सब जानकर हो सकते हैं हैरान

पुराणों में वर्णित है कि एक बार गोलोक में किसी बात पर राधा और श्रीदामा नामक गोप में विवाद हो गया। श्रीराधा ने उस गोप को असुर योनि में जन्म लेने का श्राप दिया। तब उस गोप ने भी श्रीराधा को यह श्राप दिया कि आपको भी मानव योनि में जन्म लेना पड़ेगा। वहां गोकुल में श्रीहरि के ही अंश महायोगी रायाण नामक एक वैश्य होंगे। आपका छाया रूप उनके साथ रहेगा। भूतल पर लोग आपको रायाण की पत्नी ही समझेंगे, श्रीहरि के साथ कुछ समय आपका विछोह रहेगा।

ब्रह्म वैवर्त पुराण के अनुसार जब भगवान विष्णु के श्रीकृष्ण अवतार का समय आया तो उन्होंने राधा से कहा कि तुम जल्द ही वृषभानु के घर जन्म लो। श्रीकृष्ण के कहने पर ही राधा ब्रज में वृषभानु वैश्य की कन्या हुईं।

राधा देवी अयोनिजा यानी माता के गर्भ से उत्पन्न नहीं हुई थीं उनकी माता ने गर्भ में वायु को धारण कर रखा था। उन्होंने योगमाया की प्रेरणा से वायु को ही जन्म दिया परंतु वहां स्वेच्छा से श्रीराधा प्रकट हो गईं।

जब एक अंग्रेज ने गाय को गोली मारने की दी धमकी

बात उस समय की है जब प्रसिद्ध उपन्यास-लेखक मुंशी प्रेमचंद गोरखपुर में अध्यापक थे। उन्होंने अपने यहां गाय पाल रखी थीं। एक दिन एक गाय घास खाते हुए अंग्रेज जिलाधीश के आवास के बाहर वाले उद्यान में चली गईं। अभी वह गाय वहां जाकर खड़ी ही हुई थी कि वह अंग्रेज़ बंदूक लेकर बाहर आ गया और उसने गुस्से से आग बबूला होकर बंदूक में गोली भर ली। उसी समय अपनी गाय को खोजते हुए प्रेमचंद वहां पहुंच गए।

अंग्रेज़ ने कहा कि 'यह गाय अब तुम यहां से ले नहीं जा सकते। तुम्हारी इतनी हिम्मत कि तुमने अपने जानवर को मेरे उद्यान में ले आए। मैं इसे अभी गोली मार देता हूं तभी तुम काले लोगों को यह बात समझ में आएगी कि हम यहां हुकूमत कर रहे हैं।' और उसने भरी बंदूक गाय की ओर तान दी। प्रेमचंद ने नरमी से उसे समझाने की कोशिश की, 'महोदय! इस बार गाय पर मेहरबानी करें। दूसरे दिन से इधर नहीं आएगी। मुझे ले जाने दें साहब। यह ग़लती से यहां आई।' फिर भी अंग्रेज गुस्से में यही कहता रहा, 'तुम काला आदमी ईडियट हो- हम गाय को गोली मारेगा।' और उसने बंदूक से गाय को निशान बनाना चाहा। प्रेमचंद झट से गाय और अंग्रेज जिलाधीश के बीच में आ खड़े हुए और गुस्से से बोले, 'तो फिर चला गोली। देखूं तुझमें कितनी हिम्मत है। ले। पहले मुझे गोली मार।' फिर तो अंग्रेज़ बंदूक की नली नीची करते हुए अपने बंगले में चला गया।

यहां जानें, खुद को कितना पहचानते हैं आप!

'दि वल्ड्र्स वर्क' अखबार के संपादक थे 'वाल्टर हाइन्स येज'। वह हर दिन कई आर्टिकल को रिजेक्ट करते या प्रकाशित करते थे। एक बार एक लेखिका ने उन्हें लिखा, 'पिछले सप्ताह आपने मेरी कहानियां सखेद लौटा दीं। मेरा यह दावा है कि आपने मेरी कहानी को पढ़ा ही नहीं। मेरा यह पूर्वानुमान था कि आप जैसे संपादक अपने काम में ईमानदारी नहीं बरतते, इसी की जांच के लिए मैंने अपनी कहानी के बीच के पृष्ठों को एक साथ चिपका दिया था और जब कहानी वापस आई तो वे पृष्ठ वैसे ही चिपके हुए थे। यह आपकी अयोग्यता नहीं तो और क्या है?'

इस बात पर मिस्टर येज ने जवाब दिया, आपका, ज्ञान अभी कच्चा है मैडम! हांडी के चावल पके हैं या नहीं यह जानने के लिए सिर्फ चावल को टटोला जाता है, पूरी हांडी को उलटकर चावलों को टटोलने की जरूरत नहीं पड़ती। संक्षेप में : अनुभव जिसके पास है। वह अपने अनुभव से किसी को भी देख कर या उसके लिखे किसी भी वाक्य रचना को पढ़कर पहचान लेता है। इसलिए अपना मूल्यांकन पहले स्वयं करना चाहिए।

श्रीलंका के साथ तीसरा टेस्ट आज से, 'क्लीन स्वीप' पर टीम इंडिया की निगाहें

कैंडी (श्रीलंका)। भारत और श्रीलंका के बीच तीन टेस्ट मैचों की सीरीज का आखिरी मैच आज से पल्लेकेल में खेला जाएगा. सीरीज पर पहले ही कब्जा जमा चुकी भारतीय टीम इस आखिरी मैच को जीतकर क्लीन स्वीप करना चाहेगी.

पहले दोनों मैचों में हावी रही भारतीय टीम : पहले दो टेस्ट मैचों में विराट कोहली की कप्तानी वाली भारतीय टीम मेजबानों पर पूरी तरह से हावी रही है. उसे दोनों मैचों में जीत के लिए मशक्कत नहीं करनी पड़ी. गॉल में खेले गए पहले टेस्ट मैच में भारत ने श्रीलंका को 304 रन से मात दी थी, जबकि दूसरे टेस्ट मैच में उसने मेजबानों को पारी और 53 रनों से शिकस्त देकर सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त ले ली थी. अगर भारत इस मैच को जीत लेता है तो वह श्रीलंका में 9 टेस्ट मैच जीतने वाली पहली विदेशी टीम बन जाएगी.

भारत के पास संतुलित टीम : दोनों टीमों के बीच काफी अंतर है. भारत के पास संतुलित टीम है और उसके खिलाड़ी पिछले तीन-चार वर्षो से लगातार टीम का हिस्सा हैं. सबसे बड़ी बात टीम के हर खिलाड़ी को पता है कि उसकी टीम में क्या भूमिका है. वहीं श्रीलंका की टीम बदलाव के दौर से गुजर रही है. टीम के पास फॉर्म में चल रहे खिलाड़ियों की कमी है. इस सीरीज में तो वह खिलाड़ियों की चोटों से भी काफी परेशानी रही है. तीसरे टेस्ट में श्रीलंका के सबसे अनुभवी स्पिन गेंदबाज रंगना हेराथ उंगली में चोट से पीड़ित हैं. नुवान प्रदीप और असेला गुणारत्ने भी चोट से जूझ रहे हैं. हेराथ का न होना टीम के कप्तान दिनेश चंडीमल को बड़ा सिरदर्द देगा. मेजबानों की गेंदबाजी भारत के मजबूत बल्लेबाजी क्रम के आगे काफी कमजोर है.

कुलदीप यादव के खेलने की उम्मीद : कोहली, शिखर धवन, लोकेश राहुल, अजिंक्य रहाणे और चेतेश्वर पुजारा सभी बल्ले से रन बना रहे हैं. वहीं भारत का निचला क्रम भी रन कर रहा है. यही कारण है कि मेहमान मौका मिलने पर स्कोरबोर्ड पर बड़ा आंकड़ा टांग देते हैं. मेहमान टीम में एक बदलाव निश्चित है. पिछले मैच के हीरो रहे हरफनमौला खिलाड़ी रवींद्र जडेजा इस मैच में नहीं खेलेंगे. उनपर आईसीसी ने पिछले दो साल में छह नकारात्मक अंक होने के कारण एक मैच का प्रतिबंध लगा दिया है. उनकी जगह बांए हाथ के ही अक्षर पटेल को टीम में चुना गया है, लेकिन अंतिम एकादश में चाइनामैन कुलदीप यादव के शामिल होने की ज्यादा संभावना है.

संभावित टीमें : भारत : विराट कोहली (कप्तान), शिखर धवन, लोकेश राहुल, चेतेश्वर पुजारा, अजिंक्य रहाणे, रविचंद्रन अश्विन, रिद्धिमान साहा (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, हार्दिक पांड्या, मोहम्मद शमी, उमेश यादव, अभिनव मुकुंद, रोहित शर्मा, ईशांत शर्मा, भुवनेश्वर कुमार, कुलदीप यादव.

श्रीलंका : दिनेश चंडीमल (कप्तान), एंजेलो मैथ्यूज, उपुल थरंगा, दिमुथ करुणारत्ने, निरोशन डिकवेला, कुशल मेंडिस, धनंजय डी सिल्वा, लाहिरू थिरिमाने, लाहिरू कुमारा, विश्वा फर्नांडो, दुशमंथा चामीरा, लाहिरू गमेज, दिलरूवान परेरा, मलिंदा पुष्पाकुमारा, लक्षण संदकाना।

बैन हटने के बाद BCCI के रवैये से श्रीसंत नाराज, कहा 'मैं भीख नहीं, आजीविका वापस मांग रहा हूं'

नई दिल्ली। एस. श्रीसंत पर लगा आजीवन प्रतिबंध हटाने के खिलाफ अपील करने के भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के फैसले के बावजूद केरल का यह तेज गेंदबाज प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी को लेकर निश्चिंत है. श्रीसंत ने उम्मीद जताई कि वे जल्द ही क्रिकेट में वापसी करेंगे. इस बीच, बीसीसीआई ने 34 साल के इस तेज गेंदबाज के ऊपर लगा आजीवन प्रतिबंध हटाने के खिलाफ केरल हाईकोर्ट की खंडपीठ में अपील करने करने का फैसला किया है.

इस पर नाराज श्रीसंत ने अपने ट्विटर पेज पर लिखा, 'बीसीसीआई मैं भीख नहीं मांग रहा, मैं अपनी आजीविका वापस मांग रहा हूं. यह मेरा अधिकार है. तुम लोग भगवान से ऊपर नहीं हो. मैं फिर खेलूंगा.'' उन्होंने कहा, 'बीसीसीआई यह आप किसी के साथ सबसे बदतर चीज कर सकते हो और वह भी उसके प्रति जो एक बार नहीं बल्कि बार बार निर्दोष साबित हुआ हो. नहीं पता कि आप ऐसा क्यों कर रहे हो.'

गौरतलब है कि बीसीसीआई ने 2013 आईपीएल स्पॉट फिक्सिंग में कथित भूमिका के लिए श्रीसंत पर आजीवन प्रतिबंध लगाया था. केरल हाईकोर्ट की एकल पीठ ने हालांकि पिछले सोमवार को आदेश देते हुए केरल के इस तेज गेंदबाज पर लगा प्रतिबंध हटा दिया था. हाईकोर्ट ने श्रीसंत पर लगा लाइफ बैन भले ही हटा दिया हो लेकिन बीसीसीआई अपने इस रवैये पर अडिग है कि वह इस तेज गेंदबाज को तुरंत वापसी नहीं करने देगा.

श्रीसंत ने टीम इंडिया की ओर से 27 टेस्ट, 53 वनडे और 10 टी20 मैच खेले हैं. टेस्ट क्रिकेट में 87, वनडे में 75 और टी20 में सात विकेट उनके नाम पर दर्ज हैं. केरल के इस तेज गेंदबाज ने अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच, टेस्ट के रूप में अगस्त 2011 में इंग्लैंड के खिलाफ ओवल में खेला था. श्रीसंत 2007 में टी20 वर्ल्डकप और 2011 में वर्ल्डकप जीती भारतीय टीम के सदस्य रह चुके हैं।

SWATI
Tution Classes
Don't waste time Rush
Immediately for
Coming Session 2017-2018
Personalized
Tution
up to
7th Class
for
All Subjets
Special Classes
for
Sanskrit
Contact: Swati Tution Classes
Sagar Premium Tower, D-Block, Flat No. 007
Mobile : 9425313620, 9425313619

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक : पराग वराडपांडे द्वारा महर्षि प्रिंटर्स प्रा.लि. प्लाट नं. 23-24 पर्मिला भवन, इन्द्रा प्रेस काम्प्लेक्स, एम.पी. नगर, जोन-1, भोपाल - म. प्र से मुद्रित कराकर, प्लाट नं. -12, सेक्टर-ए, परस्पर सोसायटी चूनाभट्टी, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक: पराग वराडपांडे, मो. 9826051505, आर.एन.आई. नं. **MPHIN/2015/66655, editor@trikaldrishti.com** (विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)